हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, गुरुवार 29 जनवरी 2026

11 इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए सूर्य नमस्कार का ...

12 हरियाली पर चला कुल्हाड़ा,निमड़ी वाली ...

आरपीएस महेंद्रगढ़ के कृष्ण कुमार ने क्लैट में ऑल इंडिया कैटेगरी रैंक-1 प्राप्त कर इतिहास रचा

-कानूनी शिक्षा के शिखर पर आरपीएस के सितारे

क्लैट व एलेट 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन

कृष्ण कुमार

महेंद्रगढ़। आरपीएस विद्यालय खातोद महेंद्रगढ़ के छात्र कृष्ण कुमार ने वर्ष 2026 की प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विधि प्रवेश परीक्षा क्लैट में अपनी कैटेगरी में ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त कर इतिहास रच दिया। वहीं पीयूष ने हरियाणा कैटेगरी में स्टेट रैंक-1, महक, रौनक, अक्षिता व ज्योति चनेजा ने विभिन्न राज्यों में स्टेट रैंक-2, जबकि श्रेयसी और नव्या ने स्टेट रैंक-4 हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली द्वारा आयोजित एलेट परीक्षा में भी आरपीएस की छात्रा महक ने अपनी कैटेगरी में ऑल इंडिया रैंक-3 तथा स्पंदन ने ऑल इंडिया रैंक-27 प्राप्त कर पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। बता दें कि आरपीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विधि प्रवेश परीक्षाओं क्लैट और एलेट में ऐतिहासिक सफलता दर्ज कर शिक्षा जगत में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने न केवल देशभर में बल्कि विभिन्न राज्यों में भी टॉप रैंक हासिल कर क्षेत्र, जिला और प्रदेश का नाम रोशन किया है। हाल ही में घोषित क्लैट में आरपीएस महेंद्रगढ़ के कृष्ण कुमार ने अपनी कैटेगरी में ऑल इंडिया रैंक-1, छात्र पीयूष ने हरियाणा कैटेगरी में स्टेट रैंक-1, महक,रौनक, अक्षिता व ज्योति चनेजा ने विभिन्न राज्यों में स्टेट रैंक-2, श्रेयसी और नव्या ने स्टेट रैंक-4 तथा श्रेयसी कंबोज, कुसुमलता, अंशु, पीयूष, शिखा, लक्षिता, प्रतीक्षा, उषा, वल्लिका, प्राशी गुप्ता, वैभवी सुरेरिया, माही राव, स्पंदन, हंशिका सहित अन्य विद्यार्थियों ने टॉप रैंकों में स्थान बनाते हुए आरपीएस की शैक्षणिक श्रेष्ठता सिद्ध की। उधर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली द्वारा आयोजित एलेट परीक्षा में भी आरपीएस के छात्रा महक ने अपनी कैटेगरी में ऑल इंडिया रैंक-3 तथा स्पंदन ने ऑल इंडिया रैंक-27 प्राप्त कर पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। इस वर्ष आरपीएस के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने क्लैट व एलेट क्वालिफाई किया, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा आरपीएस के छह विद्यार्थियों कृष्ण कुमार, महक, पीयूष, श्रेयसी, अक्षिता धीमान, रौनक को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी बेंगलुरु में मिला दाखिला।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर आरपीएस ग्रुप के सीईओ इंजीनियर मनीष राव ने कहा कि न्यायपालिका समाज की सेवा और संविधान की रक्षा का सशक्त माध्यम है और आरपीएस के ये विद्यार्थी भविष्य के सशक्त न्याय प्रहरी बनेंगे। आरपीएस के विद्यार्थी अब तकनीकी, चिकित्सा के साथ-साथ विधि और वाणिज्य के क्षेत्र में भी राष्ट्रीय स्तर पर इतिहास रच रहे हैं। ग्रुप की चेयरपर्सन डॉक्टर पवित्रा राव ने कहा कि आरपीएस की शिक्षण प्रणाली विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार करने में सक्षम है, जिसका परिणाम क्लैट और एलेट में यह अभूतपूर्व सफलता है। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के विश्वास और शिक्षकों के समर्पण का प्रतिफल है। ग्रुप के डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने बताया कि विद्यालय द्वारा राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्रों को नवीनतम परीक्षा पैटर्न पर अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाई जाती है। परीक्षा के तनाव को दूर करने के लिए समय-समय पर 'मोटिवेशनल सेशन' और काउंसलिंग का आयोजन किया जाता है, जिससे कि विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बना रहे।

सफल विद्यार्थियों ने कहा कि यह सफलता आरपीएस परिवार की दूरदर्शी सोच और अटूट परिश्रम का परिणाम है। विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की इन प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। अनुभवी शिक्षकों और कानूनी विशेषज्ञों द्वारा नियमित कक्षाओं के साथ-साथ कठिन विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए गए।

(ADVT.)

खबर संक्षेप

राहुल ने कबड्डी में जीता कांस्य पदक

भिवानी। चण्डीगढ़ में 5 से 10 जनवरी तक आयोजित ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी खेलों में भाग लेते हुए गुरु मेहर सिंह अखाड़ा रोहतक के खिलाड़ी एवं गावं नाथुवास निवासी पूर्व सरपंच विजय कुमार के पुत्र राहुल ने 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कबड्डी में कांस्य पदक जीत कर अपने माता-पिता, कोच, जिला व प्रदेश का नाम रोशन किया। खिलाड़ी राहुल के कांस्य पदक जीतने पर कोच रणबीर ढाका, साई कोच वृषभान, कोच भूपेन्द्र धनाना, पहलवान सूरज सांगा आदि ने राहुल को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन आज

भिवानी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) का प्रशिक्षण केंद्र से राष्ट्रीय मतदाता दिवस-2026 के उपलक्ष्य में मतदाताओं के लिए जागरूकता रैली का आयोजन किया जाएगा। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता रैली जिला निर्वाचन कार्यालय व माय भारत-युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगी। जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव ने बताया कि 29 जनवरी सांय 3:30 बजे कृष्णा कॉलोनी स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण का प्रशिक्षण केंद्र में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिला युवा अधिकारी ने युवाओं का आह्वान किया है कि वे इस मतदाता जागरूकता रैली में अधिक से अधिक भाग लें।

सिरसी में जिला स्तरीय बागवानी मेला आज

बहल। उद्यान विभाग द्वारा गांव सिरसी में 29 जनवरी को जिला स्तरीय बागवानी मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में जिला भिवानी के प्रगतिशील किसान भाग लेंगे। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन तथा मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा बतौर मुख्य अतिथि किसानों को संबोधित करेंगे। उद्यान विभाग के एमडी डॉ जोगेंद्र सिंह घणघस मेले की अध्यक्षता करेंगे। जिला उद्यान अधिकारी डॉ देवीलाल ने बताया कि 29 जनवरी को गांव सिरसी में जिला स्तरीय बागवानी मेले का आयोजन किया जाएगा।

लाखों के मादक पदार्थ सहित आरोपी गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस की सीआईए स्टाफ प्रथम ने मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए आरोपी को भारी मात्रा में मादक पदार्थ सहित गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। डीसीपी क्राइम अनूप कुमार ने बताया कि 27 जनवरी को सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी के उप-निरीक्षक बलजीत सिंह अपनी टीम के साथ गश्त व पड़ताल ड्यूटी के दौरान बापोड़ा क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पलिस ने आरोपी को मादक प्रदार्थ सहित दबोच लिया। आरोपी की पहचान जितेंद्र निवासी बापोड़ा, जिला भिवानी के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से करीब 01 लाख रुपये मूल्य की 672 ग्राम अफीम तथा करीब 6.15 लाख रुपये मूल्य की 307 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है।

अनुबंधित कर्मियों को सेवा सुरक्षा अधिनियम-2024 के दायरे में लाने की मांग रखी

- जिन कर्मचारियों का वेतन 21 हजार 100 से अधिक होने के कारण ईएसआई कार्ड कट गया है , उन्हें चिरायु कार्ड जारी किए जाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कार्यरत नॉन टीचिंग कर्मचारी संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ ने सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ अपनी मांगों को लेकर हुंकार भरी है। इसी कड़ी में बुधवार को नॉन टीचिंग कर्मचारी संघ ने बुधवार को चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलगुरु के माध्यम से कुलाधिपति (राज्यपाल) के नाम मांगपत्र सौंपकर हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएनएल) के माध्यम से कार्यरत अनुबंधित कर्मचारियों को हरियाणा संविदा कर्मचारी (सेवा सुरक्षा) अधिनियम-2024 के दायरे में लाने की पुरजोर मांग की है। प्रदर्शन का नेतृत्व नॉन टीचिंग कर्मचारी संघ के सीबीएलयू इकाई प्रधान प्रदीप कुमार ने किया।

एचकेआरएनएल कर्मचारियों ने खोला सरकार के खिलाफ मोर्चा

भिवानी। लंबित मांगों को लेकर शहर में प्रदर्शन करतेऔर मांगपत्र सौंपते एचकेआरएन के कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

बकाया वेतन जारी किया जाए

मांगपत्र के माध्यम से संघ ने मांग की कि 5 साल से अधिक अनुभव वाले कर्मचारियों के साथ-साथ 0 से 5 साल तक का अनुभव रखने वाले सभी एचकेआरएनएल कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा अधिनियम-2024 के अंतर्गत लाया जाए, कई कर्मचारियों के अनुभव विवरण गलत दर्ज हैं ऐसे में ज्वाइनिंग तिथि के अनुसार रिकॉर्ड सही किया जाए ताकि उन्हें अनुभव के आधार पर उचित वेतन लाभ मिल सके, जिन कर्मचारियों का वेतन 21 हजार 100 से अधिक होने के कारण ईएसआई कार्ड कट गया है उन्हें चिरायु कार्ड जारी किए जाएं और विश्वविद्यालयों में निःशुल्क मेडिकल सुविधा दी जाए, पोर्टल से हटाए गए कर्मचारियों के नाम वापस जोड़े जाएं और उनके पिछले 3 महीने का बकाया वेतन तुरंत जारी किया जाए आदि मुख्य मांगें है। सीबीएलयू इकाई प्रधान प्रदीप कुमार ने कहा कि सरकार ने विभिन्न विभागों, बोर्डों और निगमों के लगभग एक लाख 20 हजार कर्मचारियों को 58 वर्ष तक की नौकरी की गारंटी देकर खूब ढिंढोरा पीटा था, लेकिन विश्वविद्यालयों में वर्षों से सेवाएं दे रहे संविदा कर्मचारियों को इस लाभ से वंचित रखा गया, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण और भेदभावपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वे विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और प्रशासनिक व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा हैं। पिछले कई वर्षों से हम पूरी निष्ठा के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं। जब सरकार एक लाख 20 हजार अन्य कर्मचारियों को नौकरी की सुरक्षा दे सकती है, तो विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के साथ यह सौतेला व्यवहार क्यों किया जा रहा है। इस अवसर पर बीएमएस महामंत्री संदीप, जितेंद्र चौहान, हरीश कुमार, कुलदीप सिंह, प्रियंका परमार, मोनिका सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

कई साथियों का नाम पोर्टल से गायब : प्रदीप कुमार

नॉन टीचिंग कर्मचारी संघ के सीबीएलयू इकाई प्रधान प्रदीप कुमार ने कहा कि उनके कई साथियों का नाम पोर्टल से गायब है और कई महीनों से वेतन रुका हुआ है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। अगर सरकार ने जल्द ही डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट सिक्योरिएंपलोई डॉट सीएसहरियाणा डॉट जीओवी डॉट इन पोर्टल पर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के पंजीकरण के निर्देश जारी नहीं किए, तो हमें अपने हक के लिए आंदोलन को और तेज करना होगा। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि वे विश्वविद्यालय के विकास में समर्पित हैं, लेकिन मानसिक और आर्थिक प्रताड़ना के बीच काम करना अब संभव नहीं है।

भिवानी। सीबीएलयू की वीसी कार्यालय के बाहर विरोध जताते एनएसयूआई के कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

एनएसयूआई ने सीबीएलयू में वीसी कार्यालय के बाहर किया प्रदर्शन

भिवानी। एनएसयूआई भिवानी द्वारा बुधवार को चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के कुलपति कार्यालय के बाहर जोरदार और आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान परीक्षा परिणामों में भारी अनियमितताओं, रि-चैकिंग में मनमानी और पैसों में पेपर करवाने जैसे गंभीर मामलों को लेकर पोस्टर लगाकर विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष मंजीत लांग्यान ने कहा कि सीबीएलयू अब शिक्षा का मंदिर नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार का केंद्र बनता जा रहा है। यहां मेहनत, काबिलियत और ईमानदारी की कोई कीमत नहीं रह गई है। सवाल सिर्फ अंकों की गड़बड़ी का नहीं है, सवाल गरीब, मजदूर और किसान परिवारों के उन बच्चों का भविष्य क्या होगा, जो दिन-रात मेहनत करके किसी तरह फीस जोड़कर पढ़ाई करते हैं।

- एनएसयूआई ने परीक्षा में गड़बड़ी व सुविधा शुल्क लेकर पेपर करवाने के कथित आरोप लगाए

पैसे वालों को किया जा रहा पास

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष मंजीत लांग्यान ने कहा कि यहां पर पैसे वालों को पास किया जा रहा है और ईमानदारी से पढ़ने वाले छात्रों को पहले 0-0 या 18 अंक दिखाकर फेल किया जाता है, फिर बिना किसी पारदर्शी प्रक्रिया के सीधे 30-38 अंक जोड़ दिए जाते हैं। इस मौके पर रीतिक यादव, विशाल कौशिक व पूजा सैन ने संयुक्त बयान में कहा कि सीबीएलयू में रि-चैकिंग व रि-ईवेल्युवेशन की प्रक्रिया पूरी तरह मजाक बन चुकी है।

डीईईओ ने स्कूलों का दौरा कर शैक्षणिक व्यवस्था का निरीक्षण किया

बाढड़ा। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुशील भारती ने बुधवार को बाढड़ा खंड के विभिन्न राजकीय प्राथमिक विद्यालयों का शैक्षिक दौरा कर विद्यालयों में संचालित निपुण कक्षाओं का गहन अवलोकन किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान के अंतर्गत विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति, कक्षा-कक्ष में अपनाई जा रही शिक्षण विधियों तथा सीखने के वातावरण की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना रहा। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुशील भारती ने राजकीय प्राथमिक पाठशाला हुई, गोपी तथा काकड़ौली हुक्मी के प्राथमिक विद्यालयों का निरीक्षण किया।

- विद्यार्थियों की उपस्थिति, अध्यापकों की शिक्षण शैली, टीचिंग-लर्निंग मैटेरियल तथा कक्षा-कक्ष की शैक्षिक सज्जा का बारीकी से अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति, अध्यापकों की शिक्षण शैली, टीचिंग-लर्निंग मैटेरियल तथा कक्षा-कक्ष की शैक्षिक सज्जा का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पठन-पाठन क्षमता, गणितीय समझ तथा भाषा कौशल की भी समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सुशील भारती ने अध्यापकों को निर्देश दिए कि कक्षाओं में प्रिंट रिच वातावरण को और अधिक प्रभावी बनाया जाए, ताकि बच्चे अक्षरों, शब्दों, चित्रों और अंकों के माध्यम से सहज रूप से सीख सकें। उन्होंने कहा कि कक्षा-कक्ष में चार्ट, पोस्टर, शब्द भिवानी, अंक तालिका और स्थानीय संदर्भों से जुड़े शिक्षण साधनों का नियमित उपयोग किया जाए। इससे बच्चों में सीखने के प्रति रुचि बढ़ेगी और उनकी बुनियादी समझ मजबूत होगी।

गांव पिंजौखरा में रात्रि ठहराव कार्यक्रम आज

भिवानी। लोगों से संवाद स्थापित करने की कड़ी में 29 जनवरी को दोपहर बाद तीन बजे गांव पिंजौखरा के सामुदायिक केंद्र में डीसी व एसएसपी नागरिकों की शिकायतें सुनेंगे। नगराधीश अनिल कुमार ने बताया कि डीसी साहिल गुप्ता वीरवार सायं जिले के गांव पिंजौखरा के सामुदायिक केंद्र में ग्रामीणों से रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान लोगों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर परिवार पहचान पत्र सहित विभिन्न दस्तावेजों में त्रुटियां ठीक की जाएगी। रात्रि ठहराव कार्यक्रम में परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, चिरायु कार्ड, हैप्पी कार्ड, कृषि विभाग की मेरी फसल-मेरा बोरा पोर्टल, राशन कार्ड, मनरेगा, वृद्धावस्था पेंशन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना आदि में त्रुटियों को ठीक करेंगे।

देश सेवा का जज्बा मन में संजोकर अग्निवीर बनने के लिए सैकड़ों युवाओं ने लगाई दौड़

8,798 उम्मीदवारों का शारीरिक परीक्षण किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

स्टेडियम में 28 जनवरी, मंगलवार से सेना भर्ती रैली शुरू हो गई है। सेना भर्ती कार्यालय व जिला प्रशासन द्वारा की गई कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह चार बजे से भीम स्टेडियम में उम्मीदवारों का प्रवेश बैच के अनुरूप किया गया। स्टेडियम के चारों सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। सेना भर्ती कार्यालय चरखी दादरी के निदेशक कर्नल के. संदीप ने बताया कि अग्निपथ योजना के तहत सेना भर्ती कार्यालय, चरखी दादरी ने भर्ती के लिए महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, चरखी दादरी और भिवानी जिले के सभी ऑनलाइन परीक्षा उत्तीर्ण 8,798 उम्मीदवारों को शारीरिक परीक्षण के लिए तारीख अनुसार अलग-अलग श्रेणियों के लिए प्रवेश पत्र जारी किए जा चुके हैं। युवाओं को अग्निवीर बनने के लिए 1600 मीटर दौड़ लगानी होगी। इसके अतिरिक्त कम से कम 6 और अधिकतम 10 चिनप्स (बीम), 9 फीट डिच जम्प, और जिग जैग बैलेंस आदि टेस्ट भी लिया जाएगा। फिजिकल टेस्ट में पास उम्मीदवारों को चिकित्सा परीक्षण के लिए बुलाया जाएगा।

भिवानी। भर्ती रैली में स्टेडियम में दौड़ लगाते युवा।

- भिवानी, चरखी दादरी, रेवाड़ी व महेंद्रगढ़ जिलों के प्रतिभागी युवा ले रहें हैं हिस्सा

दौड़ स्पर्धा की पास

वहीं भर्ती रैली में पहुंचे युवा सौरभ व हर्ष ने बताया कि भर्ती रैली में पहुंचकर उन्हें देश सेवा में शामिल होने का सुनहरा अवसर मिला है। यहां पर दौड़ के लिए बेहतर ट्रैक बनाया गया है। सेना के अधिकारियों द्वारा शारीरिक जांच बेहतर तरीके से की जा रही है। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी दौड़ सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। अब अन्य शारीरिक व मेडिकल परीक्षाएं देंगें। उम्मीदवारों ने बताया कि इस भर्ती रैली के माध्यम से उन्हें देश सेवा करने का मौका मिलेगा। वे भारतीय सेना में जाकर देश सेवा का कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि उनका सेना में जाने का बचपन से सपना रहा है, जो अब साकार होता दिखाई दे रहा है।

कंपकपी छुटी | दिनभर नहीं हुए सूर्यदेव के दर्शन, लोगों की आवाजाही न के बराबर रही

मौसम की मार किसान लाचार शीत लहर ने छुड़ाई कंपकपी

13 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली शीत लहर ने बढ़ाई ठिठुरन, घरों में दुबके लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

बुधवार को बारिश तो नहीं हुई, लेकिन शीत लहर की वजह से जबरदस्त ठंड रही। 13 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चली हवा ने लोगों को ठिठुरा दिया। दिनभर सूर्यदेव के दर्शन नहीं होने के कारण पारा लगातार नीचे की तरफ लुढ़कता रहा। पारा कभी सात तो कभी आठ डिग्री सेल्सियस पर लटकता रहा। अधिकतम पारा भी 17 व 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। जिस वजह से पूरे दिन लोगों की कंपकपी छूटती रही। कड़ाके की ठंड की वजह से लोगों की दिनचर्या सुबह देर से शुरू हुई और शाम को भी लोग जल्दी ही घरों में पहुंच गए।

सुबह जब लोग सोकर उठे तो चहुंओर हलकी सी धुंध व आसमान में काली घटाए छाई हुई थी। इस दौरान धीमी गति से हवा तो चली,लेकिन बादलों के जमघट को तीतर बीतर करने में नाकामयाब रही। धूप न निकलने की वजह से शीत लहर ने सभी की कंपकपी छुड़ाई। गली, सड़कों पर रास्तों पर लोगों की आवाजाही न के ही बराबर रही। सब्जी की फसलों के लिए ठंड नुकसान दायक

भले ही ठंड गेहूं की फसल के लिए फायदेमंद मानी जाती हो,लेकिन सरसों के अलावा सभी तरह की सब्जियों की फसलों के लिए नुकसान दायक है। चूंकि इस वक्त गाजर,आलू, टमाटर, बैगन के अलावा कई तरह की सब्जियों की फसल है। सब्जी की फसलें ज्यादा ठंड सहन नहीं कर सकती। अगर ज्यादा ठंड हो जाए तो सब्जी के पौधे अपने आप जलने लगते है। जिससे किसानों को मोटा नुकसान होता है। सरसों की फसल पर भी ठंड का नुकसान होने की आशंका है।

भिवानी। ओलावृष्टि व कड़ाके की ठंड से प्रभावित फसल को देखते किसान। फोटो : हरिभूमि

जाते-जाते लौट आई सर्दी, बारिश के हालात

बवानीखेड़ा। शीतकालीन सीजन समापन पर दिखाई दे रहा था सूर्यदेव के तेज प्रकाश से गर्मी साफ आती हुई दिखाई दे रही थी। शनिवार तक हालात बन गए थे मानों गर्मी ने दस्तक दे दी है लेकिन एकाएक मौसम ने करवट बदली और धुंध, ठंडी हवा के साथ सर्दी वापस लौट आई। हालांकि आसपास के जिलों में बारिश व ओलों की खबरें भी सुनी व देखी गई। वहीं पिछले तीन दिनों से ठंड बढ़ने के कारण सूर्य देवता के दर्शन नहीं हुए। बच्चे व बूढ़े घरों में रजाई में दुबके दिखाई दिए। शहरवासियों की मानें तो अभी सर्दी जारी रहेगी और फरवरी में इसका समापन देखने को मिलेगा। इसलिए इस मौसम से बचाव करना उचित है।

एसडीएम ने वाहनों पर लगाया 2.93 लाख रुपये का जुर्माना

चरखी दादरी। जिले में ओवरलोड वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को एसडीएम आशीष सांगवान के नेतृत्व में विशेष चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग अभियान के दौरान ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई कर कुल 2.93 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। अभियान के तहत जिले के प्रमुख मार्गों, स्टेट हाईवे एवं अन्य चिन्हित क्षेत्रों में मालवाहक वाहनों की सघन जांच की। जांच के दौरान वाहनों के वजन, फिटनेस प्रमाण पत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की गहनता से जांच की। एसडीएम सांगवान ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के मौके पर चालान काटे गए तथा संबंधित वाहन चालकों को भविष्य में निर्धारित मानकों के अनुरूप वाहन संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अभियान के दौरान परिवहन एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम उपस्थित रहीं। वहीं उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने कहा कि ओवरलोडिंग से सरकारी सड़कों को गंभीर क्षति पहुंचती है, जिससे राजस्व पर अतिरिक्त भार पड़ता है। इसके साथ ही ओवरलोड वाहन आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे विशेष चेकिंग अभियान नियमित रूप जारी रखें।

भिवानी। ओवरलोड वाहनों का चालान करते एसडीएम आशीष सांगवान।

स्पेशल वर्ल्ड कैंसर डे 4 फरवरी

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कैंसर दुनिया भर में होने वाली मौतों का हृदय रोगों के बाद दूसरा सबसे बड़ा कारण है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इंफॉर्मेटिक्स एंड रिसर्च, बेंगलुरु के अनुसार 13.9 लाख व्यक्ति सन 2020 में भारत में कैंसर से ग्रस्त थे और दुनिया भर में 7.5% कैंसर मरीज भारतीय हैं। ऐसे आंकड़े कैंसर को लेकर हमारी चिंता बढ़ाते हैं। लेकिन सुखद है कि नए रिसर्च के अनुसार इसे कंट्रोल करना और समय रहते पता चलने पर ट्रीटमेंट संभव है। कैंसर से जुड़ी बहुत यूजफुल इंफॉर्मेशंस यहां दे रहे हैं।

अवेयरनेस-प्रिकॉशन से संभव है कैंसर से बचाव

डॉक्टर्स एडवाइस
विवेक शुक्ला

अमेरिकन सोसायटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी के अनुसार, वे दिन अब बीत चुके हैं, जब कैंसर को मृत्यु की पूर्व-चेतावनी माना जाता था। ऐसा इसलिए है क्योंकि पिछले दो दशकों में कैंसर की जांच और उपचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है, जिसके कारण इससे छुटकारा पाने और पुनः स्वस्थ होने की संभावनाएं पहले की तुलना में काफी बढ़ गई हैं।

इसके बावजूद भारत के संदर्भ में आज भी विभिन्न प्रकार के कैंसर के तीसरे और चौथे चरण में पहुंचे अधिकांश मरीज असमय मृत्यु का शिकार हो रहे हैं। साथ ही, देश के ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में कैंसर से जुड़े अनेक मामले आज भी रिपोर्ट नहीं हो पाते। स्पष्ट है कि यह एक गंभीर समस्या है।

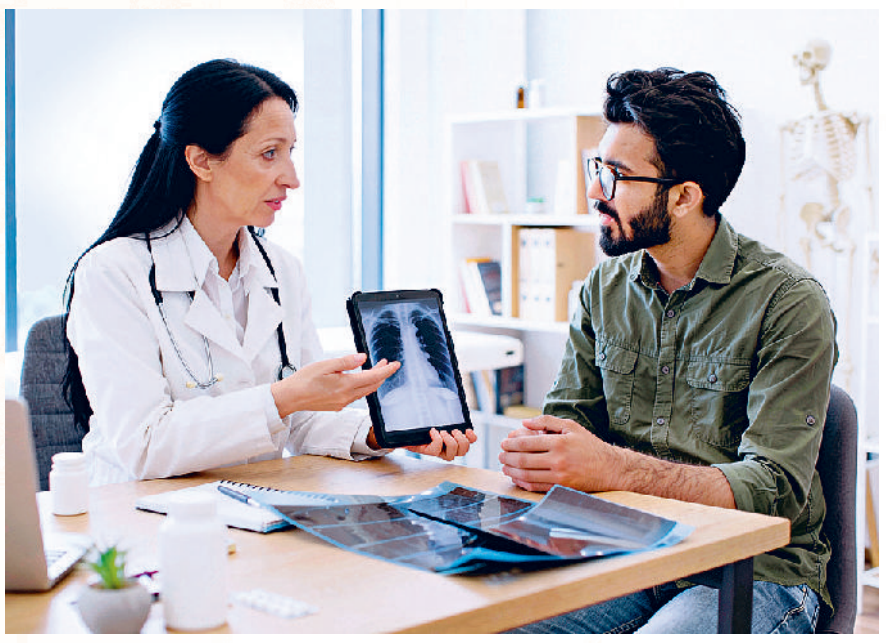

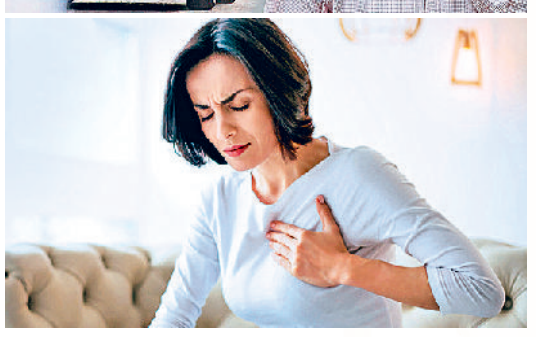

कैंसर क्यों होता है

अमेरिकन कैंसर सोसायटी के अनुसार, कैंसर सामान्यतः कोशिकाओं के डीएनए में होने वाले म्यूटेशन के कारण होता है। डीएनए में मौजूद जीन कोशिकाओं को यह निर्देश देते हैं कि उन्हें कैसे बढ़ना है, कितनी बार विभाजित होना है और किस प्रकार कार्य करना है। जब डीएनए में कोई गड़बड़ी उत्पन्न हो जाती है, तो कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं, जो आगे चलकर कैंसर का कारण बनती हैं।

लक्षणों पर दें ध्यान

जिस अंग में कैंसर होता है, उससे संबंधित लक्षण प्रकट होते हैं। उदाहरण के लिए, फेफड़ों के कैंसर में सांस लेने में तकलीफ होती है, जबकि यकृत (लिवर) कैंसर में भूख न लगना और पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं। हालांकि कुछ सामान्य लक्षण भी हो सकते हैं-

किसी घाव या जख्म का लंबे समय तक न भरना। बिना कारण वजन घटना (6 महीनों में 10% से अधिक)। त्वचा के भीतर गांठ महसूस होना, जो तेजी से बढ़ रही हो (ध्यान रखें, हर गांठ कैंसर नहीं होती है)। शरीर के किसी हिस्से में लगातार सूजन होना। खून की कमी (एनीमिया)। बार-बार बुखार आना। मल या मूत्र में रक्त आना। लंबे समय तक थकान या अस्वस्थता महसूस होना। मस्सों या तिलों के रंग, आकार या बनावट में बदलाव। भूख में लगातार कमी होना। इन लक्षणों के दिखने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।

कैंसर के कारण

लगभग 10% कैंसर आनुवंशिक होते हैं, जबकि शेष 90% कैंसर अस्वास्थ्यकर जीवनशैली के कारण उत्पन्न होते हैं, जो जीन में म्यूटेशन का कारण बनती है। रिस्क फैक्टर्स में शामिल हैं- जंक फूड का सेवन अधिक करना। लंबे समय तक जंक और पैकेज्ड फूड का सेवन पेट व बड़ी आंत (कोलन) के कैंसर का खतरा बढ़ाता है, क्योंकि इनमें पोषक तत्व कम और वसा, नमक व तेल अधिक होते हैं। धूम्रपान से फेफड़ों में हानिकारक रसायन पहुंचते हैं, जो जीन में विकृति पैदा करते हैं। फेफड़ों के कैंसर का यह प्रमुख कारण है। किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन मुंह, जीभ, गाल और गले के कैंसर का खतरा बढ़ाता है। नियमित व्यायाम न करने से मोटापा बढ़ता है, जो स्तन, गर्भाशय और बड़ी आंत के कैंसर का कारण बन सकता है। बढ़ता वायु प्रदूषण, खासकर वाहनों से निकलने वाला धुआं, फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ाता है। अधिक और नियमित शराब सेवन कोशिकाओं की जेनेटिक संरचना को नुकसान पहुंचाता है और कैंसर के जोखिम को बढ़ाता है। ऐसे में स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर और नशे की आदतें छोड़कर कैंसर से काफी हद तक बचाव संभव है।

उपचार के तरीके

पिछले कुछ वर्षों में कैंसर उपचार में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पहले जहां चौथे चरण के कैंसर में औसत जीवन अवधि लगभग 6 महीने थी, वहीं अब यह 4–5 वर्ष या उससे अधिक हो सकती है। यदि कैंसर का पता पहले या दूसरे चरण में चल जाए, तो अधिकांश मामलों में पूर्ण उपचार संभव है। कई उपचार पद्धतियां कारगर हो सकती हैं। पहले की तुलना में कीमोथेरेपी में साइड इफेक्ट्स कम होते हैं। ह्यूमन जीनोम प्रोफाइलिंग और टारगेटेड थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को सक्रिय करता है, भी कारगर हैं।

महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसर

भारत में महिलाओं में सबसे अधिक पाए जाने वाले कैंसरों में स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर, अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर तथा गर्भाशय का कैंसर प्रमुख हैं। समय पर जांच और जागरूकता से इन कैंसरों की पहचान शुरुआती अवस्था में संभव है।

स्तन कैंसर: स्तन कैंसर के संभावित कारणों में देर से रजोनिवृत्ति (मेनोपॉज) होना, लंबे समय तक हार्मोनल गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन कुछ मामलों में जोखिम बढ़ा सकता है, हार्मोनल असंतुलन, शारीरिक गतिविधि की कमी, मोटापा तथा कम अवधि तक स्तनपान कराना, बीआरसीए-1, बीआरसीए-2 तथा पी-53 जैसे जीन में उत्परिवर्तन (म्यूटेशन), शामिल हैं।

प्रमुख लक्षण: स्तन या बगल के पास कठोर गांठ, जो प्रायः दर्द रहित होती है। स्तन की त्वचा में लालिमा, मोटापन या सिकुड़न। निप्पल से तरल का स्राव, जिसमें कभी-कभी खून भी हो सकता है। निप्पल का अंदर की ओर धंसना या उसमें जलन। स्तन के आकार या बनावट में बदलाव

रोकथाम: चिकित्सक से परामर्श लेकर नियमित रूप से स्तन की स्व-परीक्षा करना, आवश्यकतानुसार मैमोग्राफी कराना, स्वस्थ जीवनशैली अपनाना और वजन नियंत्रित रखना, नियमित व्यायाम एवं प्राणायाम करना, अधिक समय तक स्तनपान कराने से स्तन कैंसर का जोखिम कम होता है।

उपचार: जांचों के बाद रोग की अवस्था के अनुसार कैंसर विशेषज्ञ सर्जरी, रेडिएशन थेरेपी, कीमोथेरेपी, हार्मोनल थेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी अथवा इम्यूनोथेरेपी में से उपयुक्त उपचार का चयन करते हैं।

सर्वाइकल कैंसर: गर्भाशय के निचले हिस्से को गर्भाशय ग्रीवा कहा जाता है। इसी भाग से उत्पन्न होने वाले कैंसर को सर्वाइकल कैंसर कहा जाता है।

कारण: सर्वाइकल कैंसर का मुख्य कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) का लंबे समय तक शरीर में बना रहना है, जो यौन संपर्क के माध्यम से फैलता है।

लक्षण: माहवारी के बीच या बाद में असामान्य रक्तस्राव, शारीरिक संबंध के बाद रक्तस्राव या दर्द, रजोनिवृत्ति के बाद रक्तस्राव, पेशाब करते समय दर्द या जलन।

उपचार: प्रारंभिक अवस्था में सर्जरी या रेडिएशन थेरेपी की जाती है। उन्नत अवस्था में कीमोथेरेपी के साथ रेडिएशन थेरेपी दी जाती है।

रोकथाम: एचपीवी संक्रमण से बचाव के लिए टीके उपलब्ध हैं। कैंसर-पूर्व परिवर्तनों की पहचान हेतु पैप स्मीयर एवं एचपीवी टेस्ट किए जाते हैं। नियमित जांच से सर्वाइकल कैंसर का समय रहते पता लगाया जा सकता है।

ओवेरियन कैंसर: ओवेरियन कैंसर अंडाशय में होता है, जिसमें असामान्य गांठ या ट्यूमर विकसित हो सकता है, जो कई बार सिस्ट के रूप में दिखाई देता है।

लक्षण: पेट में सूजन या लगातार दर्द। भूख न लगना या जल्दी पेट भर जाना। पेट के निचले हिस्से में भारीपन। बार-बार पेशाब की इच्छा। कब्ज या पाचन संबंधी परेशानी।

संभावित कारण: कम उम्र में माहवारी का शुरू होना। देर से रजोनिवृत्ति होना, मोटापा, लगभग 10% मामलों में आनुवांशिक कारण, बीआरसीए-1 और बीआरसीए-2 जीन में उत्परिवर्तन होने पर जीवनकाल में ओवेरियन कैंसर का खतरा 40–50% तक बढ़ सकता है।

बचाव: जिन महिलाओं के परिवार में स्तन, ओवेरियन, कोलोन या पैंक्रियाज कैंसर का इतिहास हो, उन्हें विशेषज्ञ से परामर्श लेकर नियमित जांच करानी चाहिए। नियमित व्यायाम एवं वजन नियंत्रण से जोखिम कुछ हद तक कम किया जा सकता है।

उपचार: रोग की अवस्था के अनुसार सर्जरी, कीमोथेरेपी, हार्मोन थेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी, इम्यूनोथेरेपी तथा कुछ मामलों में रेडियोथेरेपी का उपयोग किया जाता है।

फेफड़ों का कैंसर: विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विभिन्न प्रकार के कैंसर से होने वाली कुल मौतों में फेफड़ों का कैंसर सबसे प्रमुख कारण है।

कारण: फेफड़ों के कैंसर का सबसे मुख्य कारण धूम्रपान और तंबाकू का सेवन है। इसके अतिरिक्त, जो लोग धूम्रपान करने वालों के संपर्क में रहते हैं, उन्हें भी कैंसर होने का खतरा रहता है। ऐसे व्यक्तियों को पैसिव स्मोकर कहा जाता है। इसके अलावा, लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण, धुआं, धूल और वायु प्रदूषण के संपर्क में रहना भी फेफड़ों के कैंसर का कारण बन सकता है।

लक्षण: सांस लेने में तकलीफ, बार-बार खांसी आना, सीने में घरघराहट, सीने में दर्द, खांसी या थूक में खून आना।

जांच: छाती का एक्स-रे, सीटी स्कैन/ पैट-सीटी स्कैन, एमआरआई, रक्त एवं मूत्र परीक्षण, बायोप्सी, ब्रोंकोस्कोपी।

उपचार: फेफड़ों के कैंसर के उपचार के प्रमुख तरीके निम्नलिखित हैं। प्रारंभिक अवस्था में कैंसर का इलाज सर्जरी द्वारा संभव है। रेडिएशन थेरेपी में फोटॉन थेरेपी एवं प्रोटॉन थेरेपी शामिल हैं। उच्च ऊर्जा विकिरण द्वारा कैंसर कोशिकाओं को नष्ट किया जाता है। एक्सटर्नल बीम रेडिएशन थेरेपी से अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। जब कैंसर फेफड़ों से अन्य अंगों में फैल चुका हो, तब कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी एवं टार्गेटेड थेरेपी की आवश्यकता होती है।

बचाव के उपाय: प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने वाला संतुलित आहार लें। हरी सब्जियाँ, मौसमी फल और साबुत अनाज का सेवन करें। जंक फूड से बचें। धूम्रपान न करें। प्रदूषित वातावरण में मास्क का उपयोग करें।

मुंह-गले का कैंसर: मुंह और गले का कैंसर विश्व में होने वाले कैंसरों में छठे स्थान पर आता है। यह कैंसर मुंह से लेकर गले तक के किसी भी हिस्से में हो सकता है।

लक्षण: मुंह में घाव जो लंबे समय तक ठीक न हो, भोजन या पानी निगलने में कठिनाई, खाने में दर्द, दांतों का जीभ में लगना, आवाज में बदलाव, मुंह कम खुलना, जीभ बाहर निकालने में परेशानी, गले में दर्द या गांठ महसूस होना।

कारण: तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट और अत्यधिक शराब का सेवन इस कैंसर के मुख्य कारण हैं। पान, गुटखा और सुपारी के सेवन से मुंह में बार-बार छाले होना कैंसर के खतरे को बढ़ा देता है।

उपचार: यदि मुंह एवं गले के कैंसर का प्रारंभिक अवस्था में निदान हो जाए, तो बायोप्सी के बाद सर्जरी द्वारा इलाज संभव है। दूसरी या तीसरी अवस्था में कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी दी जाती है। आधुनिक तकनीकों जैसे रोबोटिक सर्जरी, इम्यूनोथेरेपी और टार्गेटेड थेरेपी ने उपचार को अधिक सटीक और सफल बनाया है। *

(डॉ. राजेश मिस्त्री, सीनियर डायरेक्टर (ग्रुप)-ऑन्कोलॉजी, कोकिलाबेन अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई और डॉ. सभ्यता गुप्ता, चेयरपर्सन-डिपार्टमेंट ऑफ गायनेकोलॉजी, गायनी ऑन्कोलॉजी एंड रोबोटिक सर्जरी, मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम से बातचीत पर आधारित)

सजेशन
डॉ. माजिद अलीम

इन दिनों अगर बढ़ जाए गैस-एसिडिटी की समस्या

सर्दी के दिनों में ठंड लगने से, खाने के न पचने से पेट में गैस की समस्या बढ़ जाती है। इससे पेट में मरोड़ उठती है, कई बार दर्द असहनीय हो जाता है। वैसे कई लोगों के लिए तो यह हर मौसम की समस्या होती है। लेकिन सर्दी के दिनों में यह कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है, जिसकी वजह है बार-बार चाय-कॉफी पीना, पकौड़े खाना, टमाटर सूप में बटर डालकर पीना आदि। इन तमाम वजहों के अलावा लाइफस्टाइल से जुड़ी आदतों के कारण भी एसिडिटी और गैस की समस्या होती है। इससे बचने के लिए ये उपाय आजमा सकते हैं।

लिक्विड: सर्दी हो या गर्मी पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए क्योंकि पानी ही हमारी पाचनक्रिया को दुरुस्त रखता है। पानी हमें कब्ज से बचाता है और भोजन को वेस्ट में बदलता है। लेकिन भोजन के साथ पानी न पिएं। भोजन से 10 मिनट पहले और आधे घंटे बाद पानी पीना चाहिए। जिससे पेट में गैस नहीं बनती। पानी के अलावा प्रतिदिन ताजा जूस पिएं। पेट में गैस बनने की स्थिति में नीबू पानी पीना भी फायदेमंद होता है। कैफीनयुक्त ड्रिंक्स जैसे कोल्ड ड्रिंक, चाय, कॉफी ये सभी हमारी पाचनक्रिया पर बुरा असर डालते हैं और इनकी वजह से अपच की समस्या में इजाफा होता है। इन ड्रिंक्स की बजाय हर्बल टी, दूध या सादा पानी अपच की समस्या से काफी राहत दिलाता है।

फाइबर्स: रेशेदार भोज्य पदार्थ हमारी पाचनक्रिया को दुरुस्त करते हैं। मैदे की बजाय गेहूं की ब्रेड, ब्राउन राइस, ज्वार, बाजारा, मक्का, जौ, बींस, फल और सब्जियों को अपने नियमित आहार में शामिल करें।

प्रो-बायोटिक्स: प्रो-बायोटिक्स ऐसे प्राकृतिक बैक्टीरिया हैं जो हमारे शरीर में मौजूद होते हैं। आजकल बाजार में प्रो-बायोटिक्स दूध, ड्रिंक्स, दही और आइसक्रीम मिलती है, जिनके सेवन से अपच की समस्या को दूर किया जा सकता है।

वसा: पिज्जा, बर्गर के बजाय लो फैट फूड्स खाने से अपच से होने वाले दर्द से तो बच सकते हैं, साथ ही वजन बढ़ने की समस्या से भी निजात पा सकते हैं।

मसाले: ज्यादा मसालेयुक्त खाने से भी सीने में जलन और पेट में गैस होती है। अपच की समस्या होने पर इन्हें खाने से परहेज रखें।

जीवनशैली: इन दिनों वही भोजन करें, जो आसानी से पच जाए। अपने मेटाबॉलिज्म, आयु, वजन और काम की शैली के अनुरूप भोजन करना चाहिए ताकि आप फिट रह सकें। नियमित व्यायाम करें। *

प्रिकॉशन
रेखा देशराज

ठंडी के मौसम में ही नहीं जाती हुई सर्दियों में भी बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। जरा सी लापरवाही से वे निमोनिया से ग्रस्त हो सकते हैं। इसके संक्रमण से बचाव कैसे संभव है, यहां डिटेल में बता रहे हैं।

जरा सी लापरवाही से हो सकता है निमोनिया

निमोनिया फेफड़ों की एक ऐसी बीमारी है, जिससे विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक हर साल 6.5 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित होते हैं। 25 लाख लोगों की मौत हो जाती है, जिनमें लगभग 07 लाख बच्चे होते हैं। भारत में यह स्थिति इसलिए चिंताजनक है, क्योंकि पांच साल से कम उम्र के हजारों बच्चे हर साल इसकी वजह से असमय मौत का शिकार हो जाते हैं। निमोनिया एक ऐसी बीमारी है, जो सजगता से रोकी जा सकती है। बावजूद इसके यह दशकों से दुनिया के लिए गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। हर साल 50 लाख से अधिक बच्चों की मौत होती है, जिनमें से 15 प्रतिशत बच्चे निमोनिया के कारण असमय मौत के मुंह में समा जाते हैं। निमोनिया से मरने वाले ज्यादातर बच्चे निम्न और मध्यम आय वाले देशों जैसे- भारत, पाकिस्तान, नाइजीरिया और कांगो के होते हैं।

क्या है निमोनिया: निमोनिया, फेफड़ों का संक्रमण है, जिसमें फेफड़ों के एल्वियोली यानी वायु कोषों में पस या द्रव भर जाता है, जिसके कारण शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलती। निमोनिया का यह संक्रमण बैक्टीरिया, वायरस या फंगस से हो सकता है। सबसे सामान्य कारण स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया नामक बैक्टीरिया है। बच्चों में यह रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस (आरएसवी) या इंफ्लूएंजा वायरस के कारण भी हो जाता है।

हमारे देश में यह दूसरे देशों के मुकाबले चिंता का कारण ज्यादा है, क्योंकि भारत में वायु प्रदूषण की स्थिति बेहद खराब है। इसके अलावा कुपोषण तथा धुएं के कारण भी निमोनिया होने की आशंका बढ़ जाती है। अमेरिका और यूरोप जैसे देशों में बूढ़े या पहले से बीमार, डायबिटीज या हृदय रोगी ही आमतौर पर निमोनिया से प्रभावित होते हैं।

जागरूकता है जरूरी: निमोनिया से बचाव जागरूकता से संभव है। वैक्सीन, स्वच्छ पर्यावरण, पौष्टिक खान-पान और जनजागरूकता की बदौलत इससे आसानी से लड़ा जा सकता है। अगर बच्चों और बुजुर्गों की सजगता से देख-रेख की जाए तो उन्हें निमोनिया से बचाना आसान है।

निमोनिया के प्रारंभिक लक्षण: इसके लक्षण अकसर सर्दी या बुखार के रूप में सामने आते हैं। लेकिन अगर ध्यान न दिया गया तो यह धीरे-धीरे गंभीर होने लगते हैं। निमोनिया के सामान्य लक्षण इस प्रकार है-

- तेज बुखार, साथ में कंपकंपी।
- खांसी, जो कभी-कभी कफ या पस के साथ भी आती है।
- सांस लेने में धीरे-धीरे तकलीफ होनी शुरू होती है और फिर तेज-तेज सांसें आने लगती हैं।
- छाती में लगातार दर्द या भारीपन बना रहता है।
- थकान, कमजोरी महसूस होना।
- बच्चों में नाक फड़कना, पसीना आना, दूध या खाना छोड़ देना। बुजुर्गों में यह भ्रम और मानसिक सुस्ती का कारण बनती है।

बचने के उपाय: निमोनिया एक गंभीर बीमारी है। लेकिन इससे कुछ उपायों से बचा जा सकता है-

- टीकाकरण बच्चों को निमोनिया से बचाता है। इसी तरह इंफ्लूएंजा वैक्सीन से बुजुर्गों की सेहत सुरक्षित रहती है।
- घर में धुआंरहित चूल्हों का इस्तेमाल किया जाए, प्रदूषण से बचा जाए, धूम्रपान से दूरी बनाई जाए और बच्चों को स्वच्छ तथा खुले वातावरण में रखा जाए, तो निमोनिया से बचाव संभव है।
- पर्याप्त पोषण जरूरी है। छोटे बच्चों को मांएं स्तनपान जरूर कराएं, वह बच्चों को निमोनिया से बचाव के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। विटामिन-ए, सी और डी की कमी से बचना चाहिए।
- निमोनिया के शुरूआती लक्षणों पर डॉक्टर से तुरंत संपर्क करना चाहिए तथा उचित एंटीबायोटिक या एंटीवायरल इलाज शुरू कर देना चाहिए। *

डॉक्टर्स सजेशन
डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब सुबह के समय जोड़ों में हो दर्द

मेरी उम्र 38 वर्ष है। सुबह सोकर उठने और देर तक बैठने के बाद उठने पर घुटनों और शरीर के अन्य जोड़ों में जकड़न महसूस होती है। कृपया बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-अंकुर, रायपुर

इस तरह की समस्या आपको सर्दियों में होती है या गर्मियों में भी, क्योंकि सर्दी के मौसम में हड्डियों संबंधी समस्या काफी देखी जाती है। आपको नियमित रूप में सुबह-शाम एक्सरसाइज शुरू कर देनी चाहिए। साथ ही एक बार आप कैल्शियम और विटामिन डी की जांच करवा लें और अगर कमी हो तो डॉक्टर से संपर्क कर इसकी दवा शुरू कर सकते हैं। पर आपको एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। कुछ समय से मुझे जबड़े में अकड़न लगती है और यह पूरी तरह खुलता भी नहीं है। मैं कई वर्षों से स्मोकिंग करता हूं। कृपया बताएं, ये लक्षण किसी गंभीर बीमारी के संकेत तो नहीं हैं?

-कल्पेश, बिलासपुर

आप स्वयं बता रहे हैं कि लंबे समय से स्मोकिंग कर रहे हैं, लेकिन आपने यह नहीं बताया क्या आप गुटखा भी खातें हैं? क्योंकि समान्य तौर पर स्मोकिंग का सीधा असर जबड़े पर नहीं पड़ता। लेकिन इसके लिए आपको एक बार डॉक्टर से जरूर संपर्क कर लेना चाहिए, क्योंकि जबड़ा ना खुलने का कारण पता लगने पर उसका ट्रीटमेंट शुरू हो सकेगा।

मेरी उम्र 60 वर्ष है। मुझे भूख बहुत कम लगती है। कुछ भी खाने के बाद खट्टी डकारें आने लगती हैं। कभी-कभी पेट में दर्द भी होने लगता है। ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए, कृपया समाधान बताएं।

-अमरेंद्र, महेंद्रगढ़

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लगता है कि आपका डाइजेस्टिव सिस्टम गड़बड़ है। यानी, खाना ठीक से पच नहीं रहा है। इस वजह से खट्टी डकार आती है, आप अपनी लाइफस्टाइल और खान-पान, पहले चेंज करिए। खाने में फाइबर जरूर शामिल करें। दोपहर में दही सलाद लें। और एक फल नियमित रूप से खाएं। रात में ज्यादा भारी खाना नहीं खाएं, हल्का खाना खाए और कोशिश करें कि सोने से 3 घंटे पहले डिनर कर ले। इस तरह चेंज करने से आपको आराम मिलेगा। साथ ही बाजार का तला भुना, ऑयली खाना फिलहाल बंद कर दें।

मेरी उम्र 44 वर्ष है। मुझे सर्वाइकल की समस्या है। अकसर चक्कर आता है, कभी-कभी सिर दर्द भी होता है। कृपया बताइए, मुझे क्या करना चाहिए?

-शुभम, महासमुंद

सर्वाइकल की समस्या का स्थाई इलाज नियमित एक्सरसाइज है। इसके लिए आपको फिजियोथेरेपिस्ट से संपर्क कर सर्वाइकल की एक्सरसाइज सीख लेना चाहिए। अगर बहुत ज्यादा दर्द हो रहा है तो डॉक्टर से संपर्क कर पेनकिलर ले सकते हैं, लेकिन इससे फौरी तौर पर आराम मिलेगा। अगर आपका लंबी सिटिंग वाला काम है तो आपको काम के दौरान बीच-बीच में थोड़ी बहुत सर्वाइकल एक्सरसाइज करते रहना चाहिए।

मेरी उम्र 41 वर्ष है। कुछ दिनों से मुझे किसी भी खाने में स्वाद महसूस नहीं हो रहा है। इसीलिए डाइट बहुत कम हो गई है। इसकी क्या वजह हो सकती है और मुझे क्या करना चाहिए?

-संजय, कोरबा

आपको एक बार डॉक्टर से संपर्क कर अपनी जांच करा लेनी चाहिए, कई बार हल्का फीवर होता है जो महसूस नहीं होता, पर उसके लक्षण दिखते हैं। जैसा आप बता रहे हैं कि खाने का स्वाद नहीं आ रहा है, इसलिए आप किसी जनरल फिजिशियन से संपर्क कर जांच कराएं और जरूरत होने पर ट्रीटमेंट शुरू कराएं। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

भिवानी। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते श्रद्धालु।

परमेश्वर कबीर का निर्वाण दिवस मनाया

भिवानी। कालुवास मोड स्थित सतलोक आश्रम में तीन दिवसीय धार्मिक और सामाजिक समागम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम संत रामपाल महाराज के सानिध्य में परमेश्वर कबीर साहेब के 508वें निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में हुआ। यह कार्यक्रम 29 जनवरी तक जारी रहेगा। वहीं तीन दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन बुधवार को सामाजिक सुधार की अद्भुत झलक देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान कुल पांच रमैणी (शादियां) संपन्न हुईं। इन विवाहों की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि ये पूरी तरह से दहेज मुक्त व दिखावा मुक्त रही। आध्यात्मिक चर्चा के साथ-साथ यहां मानवता की सेवा का भी संकल्प लिया।

भिवानी। पौधरोपण करती बीके बहनें।

पेड़-पौधे पृथ्वी व प्रकृति के रक्षकः बीके नेहा

भिवानी। आध्यात्मिक मूल्य मानव जीवन का सुरक्षा कवच है तो पेड़-पौधे पृथ्वी व प्रकृति के रक्षक हैं। आध्यात्मिकता भीतर से जागृत कर जीवन में संतुलन लाती है। पेड़-पौधे भी प्रकृति का संतुलन बनाकर रखते हैं, ये उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कादमा शाखा में आयोजित कार्यक्रम में पौधरोपण करते हुए चंडीगढ़ से पधारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी नेहा बहन ने व्यक्त किए। बीके नेहा ने कहा कि आज शारीरिक सुरक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की सुरक्षा बहुत जरूरी है। आध्यात्मिकता एवं नैतिक मूल्यों के पतन के कारण ही असुरक्षा की भावना बढ़ी है। आध्यात्मिकता हमें स्वयं से जोड़ती है आत्मिक गुणों को बढ़ाती है। ब्रह्माकुमारी नेहा बहन ने कहा कि भारत की संस्कृति बहुत महान है। संस्कृति के साथ प्रकृति का भी बड़ा महत्व है, इसलिए हमें अपने प्राकृतिक वातावरण पर्यावरण को शुद्ध पवित्र बनाने के लिए अपने विचारों को सकारात्मक बनाओ व हर शुभ अवसर पर पौधा अवश्य लगाएं और पालन पोषण करें।

नीमड़ीवाली पॉवर ग्रिड से ईश्वरवाल तक लाइन डालने का काम पूरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

- डीसी साहिल गुप्ता के प्रयासों से सिरे चढ़ी 12 वर्ष पुरानी बिजली परियोजना
- 100 गांवों में होगा बिजली समस्या का समाधान,ब्रेक डाउन पूरा होने की स्थित में होगी बिजली की आपूर्ति

डीसी साहिल गुप्ता के प्रयासों से वर्ष 2014 से शुरू हुए हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम के गांव नीमड़ीवाली स्थित पावर ग्रिड से ईश्वरवाल स्थित 220 केवी सब स्टेशन तक 220 किलोवॉल्ट की लाइन डालने का काम पूरा हो गया है। इससे जिले के करीब 100 गांव को ब्रेकडाउन होने की स्थिति में अल्टरनेट के तौर पर बिजली आपूर्ति होगी। जिससे इन गांव में बिजली की समस्या नहीं रहेगी। करीब 50 किलोमीटर लंबी इस टॉवर लाइन पर करीब 36 करोड रुपए की लागत आई है। उल्लेखनीय है कि ईशरवाल स्थित 220 केवी सब स्टेशन से 132 केवी गांव मिरान में, 132 केवी ढिगावा, 132 केवी बहल और 132 केवी कैरु और 132 केवी तोशाम के सब स्टेशन संचालित होते हैं। इन सभी सब स्टेशनों के अंतर्गत करीब 100 गांव आते हैं। यानि जिले के लगभग 50 प्रतिशत गांव इन सब स्टेशन से जुड़ें हैं। ईश्वरवाल सब स्टेशन में बिजली की आपूर्ति गांव सागवान स्थित 232 केवी सब स्टेशन के माध्यम से हो रही है।

किसानों और आमजन से इस लाइन से उचित दूरी बनाने की अपील

नीमडीवाली स्थित हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम के कार्यकारी अभियंता दयाचंद रोहिल्ला ने बताया कि इस लाइन में 27 जनवरी बिजली की आपूर्ति शुरू हो गई है। किसानों व आम जन से अनुरोध है कि वे इस लाइन से उचित दूरी बनाए रखें। जिला प्रशासन के साथ-साथ ग्रामीणों के सहयोग से ही इस लाइन के डालने का काम पूरा हो पाया है।

2014 में शुरू हुआ था काम, 50 किलोमीटर लंबी लाइन में 212 टावर लगे

वर्ष 2014 में नीमड़ीवाली स्थित पॉवर ग्रिड से ईश्वरवाल तक अल्टरनेट के तौर पर बिजली आपूर्ति के लिए 220 किलो वोल्ट पावर की लाइन डालने का काम शुरू किया, जिसकी दूरी करीब 50 किलोमीटर की बनती है, इसमें 212 टावर लगे हैं। लेकिन इसके काम शुरू होते ही आसपास गांव के किसानों ने उचित मुआवजा संबंधित मांग को उठाना शुरू किया। इससे वर्ष 2014 में काम शुरू होने के साथ ही काम रूक गया और उसके बाद वर्ष 2016 में, वर्ष 2019 में, वर्ष 2023 में भी जब-जब काम शुरू हुआ तब-तब किसानों की मांग के चलते बिजली की लाइन डालने का काम आगे नहीं बढ सका। वर्ष 2023 में तत्कालीन भिवानी के एसडीएम दीपक बाबूलाल करवा ने फिर से इस लाइन के कार्य को गंभीरता से लिया, उसके बाद एसडीएम महेश कुमार ने समय समय पर किसानों से बातचीत की। अब जैसे ही डीसी साहिल गुप्ता ने कार्यभार संभाला और जिले में लंबित पड़ी परियोजनाओं के बारे में जानकारी ली, तो इस टावर लाइन का मामला उनके संज्ञान में लाया गया। इस मामले को उन्होंने गंभीरता से लिया और गांव नीमड़ीवाली, अजीतपुर, रूपगढ़, नवा राजगढ़ और कितलाना के किसानों व ग्रामीणों से बातचीत की और कार्य शुरू हुआ।

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए सूर्य नमस्कार का नियमित अभ्यास करें: डॉ. संजय

आयुष विभाग ने विभिन्न शिक्षण संस्थानों में करवाया सूर्य नमस्कार अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

- एक लाख 67 हजार लोगों को करवाया अभ्यास

सरकार के आदेशानुसार हरियाणा योग आयोग जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सूर्य नमस्कार अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान स्वामी विवेकानंद जयंती 12 जनवरी से शुरु हुआ जो स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती 12 फरवरी तक चलेगा। जिला में अब तक जिला में एक लाख 67 हजार लोगों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया जा चुका है। बुधवार को भी जिला के विभिन्न स्थानों पर सूर्य नमस्कार अभ्यास करवाया गया। आयुष विभाग के जिला योग कोऑर्डिनेटर एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय वैद ने बताया कि योग प्रशिक्षक किताब सिंह ने सीएचसी धनाना में, कविता अहलावत ने भिवानी पब्लिक स्कूल में, सुखबीर एवं राजेश ने लोहानी स्कूल, नीलम एवं रानी द्वारा छपार रांगड़ान, मनीषा ने सेक्टर-13 शहीद भक्त सिंह चौक स्थित स्कूल में, पिंकी ने बिसलवास में संजय ने इंदीवाली में, नवीन एवं अनिल ने घुसकानी में तथा गीतू ने देवसर स्थित डीपीएस स्कूल आदि विभिन्न शिक्षण संस्थानों में सूर्य नमस्कार करवाया गया।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में योगा करते युवा। फोटो : हरिभूमि

30 दिन निरंतर अभ्यास से होते हैं सकारात्मक प्रभाव

डॉ. संजय वैद ने कहा कि जो भी नियमित रूप से 30 दिन तक निरंतर सूर्य नमस्कार करते हैं, उनके बड़ा सकारात्मक मानसिक व शारीरिक बदलाव देखने को मिलेगा। खेल विभाग, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर योग सहायकों द्वारा सूर्य नमस्कार करवाया जा रहा है। योग सहायकों द्वारा सूर्य नमस्कार करवाने के साथ-साथ लोगों को योगासन की जानकारी भी दी जा रही है कि अच्छी एकाग्रता और इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए सूर्य नमस्कार का नियमित अभ्यास करना चाहिए। बच्चों के लिए सूर्य नमस्कार एकाग्रता, स्मरण शक्ति और शारीरिक शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ तनाव कम करता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है, पाचन सुधारता है और शरीर को लचीला बनाता है। यह मानसिक शांति और बेहतर फोकस के लिए परीक्षा के दौरान भी फायदेमंद है, जिससे बच्चों का समग्र विकास होता है और वे ऊर्जावान रहते हैं।

संत कबीर जयंती को लेकर बनाई रणनीति

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

- 21 सदस्यीय विशेष कमेटी का गठन कर सौंपी जिम्मेदारी

हरियाणा की राजनीति और सामाजिक ताने-बाने में संतों और महापुरुषों के सम्मान की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अब भिवानी के धानक समाज ने बड़ी मांग बुलंद की है। समाज की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि इस बार संत शिरोमणि कबीरदास की जयंती का राज्य स्तरीय समारोह भिवानी की वीर भूमि पर किया जाना चाहिए। बैठक के दौरान रणनीति तैयार कर समाज के प्रबुद्ध लोगों ने 21 सदस्यीय विशेष कमेटी का गठन किया।

यह कमेटी जल्द ही प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात करेगी और उन्हें मांगपत्र सौंपकर भिवानी में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम आयोजित करने का औपचारिक निमंत्रण देगा। मीटिंग में स्वामी जीतू धानक समाज कल्याण सेवा समिति के प्रधान राजकुमार सोलंकी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार की ये सराहनीय पहल है कि वह महापुरुषों की जयंती को सरकारी स्तर पर मनाती है। उन्होंने कहा कि अन्य महापुरुषों की जयंतियों को प्रदेश स्तर पर मनाई जा रही हैं, उसी तर्ज पर संत कबीरदास की जयंती भिवानी में भव्य रूप से मनाई जाए। उन्होंने कहा कि भिवानी जिला सामाजिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण है और यहां कार्यक्रम होने से पूरे प्रदेश के धानक समाज और कबीरपंथियों में सकारात्मक संदेश जाएगा। उन्होंने कहा कि 21 सदस्यीय कमेटी में रामनारायण दुग्गल, निहालसिंह सोलंकी बामला, अनिल पेंटर, विजेंद्र आचार्य, पिंकी नागर, गुड्डी कायत, कपूरसिंह लडवाल, राजकुमार सोलंकी, सुनील सोलंकी, प्यारेलाल कायत, भगवानदास कालिया, रमेश पचेरवाल, रामेश्वर गोलागढ़, सोनू डाबला, राजेश खटक, आजाद प्रधान, बिजेंद्र बडाला, करतार बड़ेसरा, अशोक सोलंकी, सुरेंद्र मोरवाल जुई बीडीसी, श्रीभगवान, रामभगत लडवाल आदि शामिल रहे, जो मुख्यमंत्री सैनी से मुलाकात करेंगे।

आर्यन कोचिंग सेंटर में मनाया गणतंत्र दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

आर्यन कोचिंग सेंटर में गणतंत्र दिवस पर कार्यक्रम हुआ। इस दौरान सेंटर संचालक मास्टर श्रीभगवान शर्मा तिरंगा लहराते हुए देश के संविधान को अधिक से अधिक मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य करने का संकल्प लिया। इसके साथ ही गोष्ठी हुई।

संचालक श्रीभगवान शर्मा ने बताया कि 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ और हमें एक ऐसा देश मिला जहां हर नागरिक को सम्मान के साथ जीने का अधिकार मिला। उन्होंने कहा कि भारत केवल जमीन का टुकड़ा नहीं बल्कि हमारी पहचान, हमारा गौरव और हमारा भविष्य है, हमारा देश तब और सुंदर बनता है जब सड़कें साफ हो, पर्यावरण हरा-भरा हो, लोग एक-दूसरे का सम्मान करें और हर दिल में देशप्रेम है। मास्टर श्रीभगवान शर्मा ने कहा कि गणतंत्र व सबसे बड़ा संविधान ऐसे भारत का स्वप्न दिखाता है, जहां स्वतंत्रता केवल शब्द नहीं, जीवन का मूल्य हो। हमारा संविधान हमें अधिकार देता है। साथ ही कर्तव्यों का बोध भी करवाता है कि आज आवश्यकता है कि हम ईमानदार परिश्रम, अनुशासन और एकता को अपनाकर देश को और अधिक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाएं।

चरखी दादरी। देशभक्ति कार्यक्रम में हिस्सा लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सम्मेलन की कामयाबी को लेकर सौंपी जिम्मेदारी

- 2 फरवरी को भिवानी में होगा इनेलो युवा सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहल

इनेलो द्वारा 2 फरवरी को भिवानी में आयोजित किए जा रहे इनेलो युवा सम्मेलन के लिए लोहारू व तोशाम विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की ओबरा गांव में मीटिंग आयोजित हुई। मीटिंग में वक्ताओं ने सम्मेलन को कामयाब करने के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेवारी सौंपी।

नेताओं ने कहा कि भिवानी जिले में होने वाला युवा सम्मेलन के लिए युवाओं में जोरदार उत्साह बना हुआ है। ओबरा गांव में आयोजित सम्मेलन की अध्यक्षता पूर्व विधायक मा. धर्मपाल ओबरा व पूर्व विधायक ओमप्रकाश बड़वा ने की। जबकि, मीटिंग की अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश महासचिव सुनीज लांबा ने की। पार्टी नेताओं ने कहा कि 2 फरवरी को भिवानी की परशुराम धर्मशाला में आयोजित होने वाले इनेलो युवा सम्मेलन को युवा इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्ण चौटाला संबोधित करेंगे। इस अवसर पर इनेलो जिलाध्यक्ष अशोक ढाणी माहू, युवा हलकाध्यक्ष सुनील श्योराण, जयसिंह पातवान, भूप बैराण आदि मौजूद रहे।

बहल। ओबरा में मीटिंग को संबोधित करते पूर्व विधायक धर्मपाल ओबरा।

युवाओं को इनेलो से जोड़ें: मा. धर्मपाल

वे भाजपा सरकार में युवाओं के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे गांव गांव में युवाओं को इनेलो से जोड़े और उनको युवा सम्मेलन में पहुंचने के लिए प्रेरित करें। मीटिंग में पूर्व विधायक मा. धर्मपाल ओबरा व पूर्व विधायक ओमप्रकाश बड़वा ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार से समाज का हर वर्ग दुखी, हताश और परेशान है। खासकर युवाओं के साथ भाजपा सरकार ने छलावा किया है। सरकार ने युवाओं को चुनावों के समय नोकरी देने का वादा किया था पर कोई भर्ती सिरे नहीं चढ रही है। प्रदेश में बेरोजगार युवाओं की लंबी फौज खड़ी हो गई है।

हड्डी जांच शिविर का 73 लोगों ने उठाया लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

- बेहतर स्वास्थ्य ही मानव का सबसे उत्तम धन, समय पर जांच जरूरी : पोपली

मानव सेवा के भाव के उद्देश्य के साथ कृष्णा कॉलोनी स्थित डॉ. विद्या सागर चैरिटेबल अस्पताल में हर माह के आखिरी सोमवार को हड्डी जांच शिविर लगाया जाता हैं। शिविर में 73 मरीजों की जांच की गई। शिविर का शुभारंभ समाजसेवी रविंद्र अघी व ममता अघी ने रिबन काटकर किया। शिविर में कल्याणी अस्पताल गुरूग्राम से डॉ. विक्रांत खन्ना ने अपनी सेवाएं दी तथा मरीजों की जांच की तथा 73 मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में मशीन द्वारा हड्डियों की संपूर्ण जांच व फिब्रो स्कैन विधि द्वारा की गई।

जामपुर सेवा समिति के प्रधान गोपाल कृष्ण पोपली ने कहा कि स्वास्थ्य ही सबसे उत्तम धन है, हमारा स्वास्थ्य अच्छा है तो जीवन का आनंद ले सकते है तथा समाज में रचनात्मक कार्य कर सकते हैं, इसीलिए लोगों को स्वास्थ्य की तरफ विशेष ध्यान देना चाहिए तथा समय-समय पर जांच करवानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हड्डियां और जोड़ ही हमारे शरीर का आधार है, हमें इनका विशेष ध्यान रखना चाहिए। 35 वर्ष की आयु के बाद हड्डियों की नियमित जांच करवाएं।

सौंफ कासनी के राजकीय उच्च विद्यालय में मनाया गणतंत्र दिवस समारोह

चरखी दादरी। सौंफ कासनी स्कूल में तिरंगा फहराते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

- जिला पार्षद प्रतिनिधि प्रदीप यादव ने फहराया तिरंगा

सौंफ कासनी के राजकीय उच्च विद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह मनाया। इस मौके पर मुख्यतिथि जिला पार्षद प्रतिनिधि प्रदीप यादव व स्वतंत्रता सेनानी रामअवतार यादव ने तिरंगा फहराया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अध्यापक सतीश कुमार हुड्डा ने की। स्कूल में 77वां गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास, गरिमा एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया। तदुपरांत राष्ट्रगान की मधुर ध्वनि के साथ राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। मुख्यातिथि ने अपने संबोधन में भारतीय संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं देशसेवा के मूल्यों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक देशभक्ति हरियाणवी नृत्य की प्रस्तुति दी। वहीं बच्चों ने कविता पाठ भी किया।

भिवानी। ग्रामीणों से बातचीत करते कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी।

सरकार की नीतियां मजदूर और गरीब विरोधी : प्रदीप

- गांव हालुवास में कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष गुलिया ने मजदूरों से किया संवाद व सुनीं समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

गांव हलुवास में बुधवार को कांग्रेस के मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी ने दौरा किया। उन्होंने मनरेगा मजदूरों और ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। जोगी ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार की नीतियां पूरी तरह से मजदूर और गरीब विरोधी हैं। जिला सचिव देवेंद्र हालुवास ने सभी कांग्रेस नेताओं का फूल-माला पहनाकर स्वागत किया। गुलिया ने कहा कि मनरेगा वह योजना है जिसने ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था को आधार दिया और मंदी के समय में गरीबों के चूल्हे जलने दिए, लेकिन आज भाजपा सरकार बजट में कटौती कर और जटिल नियम थोपकर इस योजना को धीरे-धीरे खत्म करने की साजिश रच रही है। आज मजदूरों को समय पर दिहाड़ी नहीं मिल रही और काम मांगने पर उन्हें टरकाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब वीबी जीरामजी योजना के माध्यम दिल्ली में बैठे बाबू फैसला लेंगे कि कौन सी पंचायत में क्या फैसले लिए जाने, जबकि ये असंभव है। गांव का सरपंच व पंचायत सदस्य ही बता सकते है कि उनके गांव में किस विकास कार्य की आवश्यकता है। संवाद के दौरान ग्रामीणों ने जोगी को बताया कि उन्हें समय पर भुगतान नहीं मिल रहा है और न ही नियमानुसार 100 दिन का काम सुनिश्चित किया जा रहा है। इस अवसर पर संजय गांधी, मास्टर बलवंत घणघस, बलबीर सरोहा, वीरेंद्र बापोड़ा, शिवकुमार धानक, अमित पंघाल, नंदकिशोर, तिलक, पवन कुमार, मनीष, सूबे सिंह, प्रदीप, धर्मबीर आदि मौजूद रहे।

बैठक उपायुक्त ने की स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की समीक्षा

उपायुक्त ने योजना को लेकर बारीकी से बिन्दुवार विचार विर्मश किया

जिले के 38 गांवों में पंचायत की ओर से किया जाएगा ठोस कचरा प्रबंधन का कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

जिले के 38 गांवों में अब पंचायत की ओर से ठोस कचरा प्रबंधन का कार्य किया जाएगा, ये फैसला उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल की अध्यक्षता में जिला स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण प्रबंधन समिति की बैठक में लिया। बैठक में उपायुक्त ने योजना को लेकर बारीकी से बिन्दुवार विचार विर्मश किया। सीईओ जिला परिषद ने उपायुक्त को बताया कि ठोस कचरा प्रबंधन को लेकर पंचायती राज के कार्यकारी अभियंता द्वारा जिले के 38 गांवों में कार्य किए जाने थे, लेकिन 22 जनवरी तक भी इन गांवों में कार्य आरंभ नहीं किए गए हैं, जिसके चलते ये कार्य पंचायत के माध्यम से करवाने सही रहेंगे। उपायुक्त डॉ. नागपाल ने कमेटी के साथ विचार कर सभी कार्यों को पचांयत के माध्यम से करवाने की स्वीकृति प्रदान की, इनमें बाढड़ा खंड के 10, बौंद खंड के 8, झोझू खंड के 4 और दादरी खंड के 16 गांव हैं।

चरखी दादरी। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की समीक्षा करते उपायुक्त डॉ. नागपाल।

सरकार की महत्वाकांक्षी योजना

इन गांवों में बाढड़ा खंड के जगरामबास, डालावास, धनाशरी, कारीदास, हंसावास खुर्द, बाढड़ा, नांधा, द्वारका, रामपूरा, डोहका मोजी, बौंद खंड के मिसरी, कोल्हावास, भागेश्वरी, लांबा, उण, सौंफ, मिर्च, कासनी, झोझू खंड के रामलवास, नौसवा, नौरंगाबास राजपुताान, मंदौला, दादरी खंड के रावलधी, मौडी, मकड़ाना, संतौखपूरा, निमली, पांडवान, अख्तयारपूरा, चरखी, डोहकी, मानकावास, मोरवाला, सरूपगढ, सारंगपूर, समसपूर, लोहरवाडा और ढाणी फौगाट शामिल हैं। उपायुक्त डॉ. नागपाल ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के स्तर को सुधारना और खुले में शौच मुक्त स्थिति को बनाए रखना है। जिन गांवों को खुले में शौच मुक्त घोषित किया है, वहां के लोग निरंतर शौचालयों का उपयोग करें, जिसमें पुराने शौचालयों की मरम्मत और नए परिवारों के लिए व्यक्तिगत घरेलू शौचालय का निर्माण शामिल है। उन्होंने कहा कि मिशन की सबसे बडी विशेषता कूड़े-कचरे का सही प्रबंधन है। इसके अंतर्गत जैविक कचरा प्रबंधन, खाद बनाने के गड्ढे और बायोगैस संयंत्र गोवर्धन योजना को भी शामिल किया है। मिशन के तहत प्लास्टिक को एकत्रित करना और उसका पुनर्चक्रण या सड़क निर्माण में उपयोग को आगे बढ़ाना भी है।

रिटायर्ड सूबेदार धर्मसिंह का निधन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। भारतीय सेना के सेवानिवृत्त सूबेदार धर्म सिंह का लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया, वे 76 वर्ष के थे। वे चार-पांच दिन से अस्वस्थ थे। परिजनों के अनुसार हार्ट फेल होने और ब्लड प्रेशर लो होने की वजह से उनका निधन हुआ।

सूबेदार धर्मसिंह के निधन की खबर मिलते ही गांव खरककलां सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सूबेदार धर्म सिंह न केवल अनुशासित सैनिक थे, बल्कि राजनीति एवं समाजसेवा में भी उनका बड़ा योगदान रहा। उनके निधन पर कर्मचारी नेता पवन शर्मा, सोनपाल, अनिल यादव, दिनेश कुमार, करण सिंह, सोनू तंवर, संदीप शर्मा, नरेंद्र कुमार, सोहन सिंह, संतराज व नवीन आदि ने शोक जताया।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जागरूकता रैली आज

भिवानी। भारतीय खेल प्राधिकरण का प्रशिक्षण केंद्र से राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम जिला निर्वाचन कार्यालय एवं माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न होगा।
जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव ने बताया कि 29 जनवरी को सांय 3:30 बजे भारतीय खेल प्राधिकरण का प्रशिक्षण केंद्र सेठ किरोड़ीमल बिल्डिंग नेहरू पार्क के पास कृष्णा कॉलोनी में किया जाएगा।

आईटीआई में राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेला नौ को

भिवानी। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में नौ फरवरी को सुबह नौ बजे प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जायेगा। मेले में इलेक्ट्रीशियन, फिटर, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, मशीनिस्ट, मैकेनिक मोटर व्हीकल, मैकेनिक ट्रैक्टर, टेक्नीशियन पावर इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, टर्नर, वायरमैन, फाउंड्रीमैन, शीट मेटल वर्कर और सभी मैकेनिकल व्यवसायों के आईटीआई पास शुदा छात्र कैंपस प्लेसमेंट में हिस्सा लेकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। प्राचार्य बलबीर सिंह ने बताया कि रोजगार मेले में भाग लेंगी। सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से पास शुदा छात्र छात्राएं जिनकी आयु 18 से 25 वर्ष तक के आईटीआई पास शुदा छात्र हिस्सा ले सकते हैं।

दो आरोपियों को हेरोइन सहित किया गिरफ्तार

भिवानी। एंटी नारकोटिक सेल भिवानी ने मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को मादक पदार्थ हेरोइन सहित गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के कब्जे से 23.23 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन बरामद की गई है। जानकारी देते हुए बताया गया कि एंटी नारकोटिक सेल भिवानी के उप-निरीक्षक अमरजीत सिंह अपनी टीम के साथ गश्त व पड़ताल ड्यूटी के दौरान बस अड्डा, गांव जमालपुर क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान पुलिस टीम को सूत्रों से सूचना मिली कि पपोसा रोड, जमालपुर स्थित सत्संग भवन के पास दो युवक मादक पदार्थ बेचने की फिराक में खड़े हैं। पुलिस टीम द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए मौके से दो व्यक्तियों को काबू किया।

हरियाली पर चला कुल्हाड़ा,कई गांवों में काटे अनेक हरे पेड़

एचवीपीएनएल अधिकारियों ने बिना सूचना के काटे दर्जनों पेड़

हाईटेंशन तारें बिछाने के दौरान तालमेल नहीं होने के कारण सरसों की फसल हुई नष्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। गांव नीमड़ीवाली में खेतों में काटे गए हरे पेड़। *फोटो : हरिभूमि*

एक तरफ किसान कुदरत की मार झेल रहा है, तो दूसरी तरफ हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड (एचवीपीएनएल) के अधिकारियों की कथित मनमानी ने उनके घावों पर नमक छिडक़ने का काम किया है। गांव निमड़ीवाली में हाईटेंशन तार बिछाने के नाम पर न केवल पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया गया, बल्कि किसानों के साथ कथित रूप से दुर्व्यवहार और मारपीट के आरोप भी सामने आए हैं। भारतीय किसान यूनियन के जिला प्रधान राकेश आर्य का आरोप है कि एचवीपीएनएल के अधिकारियों ने बिना किसी पूर्व सूचना के खेतों में खड़े दर्जनों हरे पेड़ों को काट दिया। यह सीधे तौर पर पर्यावरण संरक्षण नियमों का उल्लंघन है। जब कोई किसान हरे पेडों को काट लेता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई तक करने का भय दिखाया जाता है,लेकिन अब दर्जनों हरे पेड़ों पर कुल्हाड़ा चलाया गया तो किसी ने ध्यान तक नहीं दिया। इतना ही नहीं, भारी मशीनों और बिना तालमेल के किए गए कार्य के कारण खेतों में लहलहा रही सरसों की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है। किसान न्याय की गुहार लगाने पर उन्हें न केवल धमकाया जाता है, बल्कि उन पर ही झूठे मुकदमे दर्ज कराने की धमकी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि मुआवजे के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है। जिला प्रधान राकेश आर्य ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि किसानों का शोषण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

किसान उपायुक्त को सौंपेंगे ज्ञापन

आर्य ने कहा कि राकेश आर्य ने चेतावनी दी है कि यदि जिला प्रशासन ने तुरंत संज्ञान नहीं लिया, तो आंदोलन को तेज किया जाएगा, जिसके पहले चरण में किसान उपायुक्त से मुलाकात करेंगे और अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे। यदि उपायुक्त से मिलने के बाद भी अधिकारियों पर उचित कार्रवाई नहीं हुई और मुआवजे का निपटारा नहीं हुआ, तो जल्द ही एक किसान महापंचायत बुलाई जाएगी।

एनवीडी कार्यक्रम में जिला स्तर पर छात्राओं को बांटे प्रमाण पत्र

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर पीएम श्री विद्यालय की चार छात्राएं हुई सम्मानित

निबंध प्रतियोगिता में 9वीं कक्षा की स्नेहा और 11वीं कक्षा की नेहा रही प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित करते हुए।

बवानी खेड़ा के वीर शहीद गुलाब सिंह पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की चार छात्राओं को जिला स्तर पर राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर एनवीडी कार्यक्रम में प्रमाण पत्र व ईनाम राशि वितरित करके सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि जिला स्तर पर निबंध लेखन, भाषण, क्विज, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं में जिला स्तर, खंड स्तर पर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें बवानी खेड़ा के वीर शहीद गुलाब सिंह पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की निबंध प्रतियोगिता में 9वीं कक्षा की छात्रा आरती ने तृतीय स्थान, क्विज प्रतियोगिता में 12वीं कक्षा की दीपिका, 11वीं कक्षा की नेहा व 9वीं कक्षा की स्नेहा ने प्रथम स्थान हासिल किया। जिला स्तर पर आयोजित विजेताओं को एनवीडी सम्मान कार्यक्रम में प्रमाण पत्र तथा ईनाम राशि देकर सम्मानित किया गया। जिससे विद्यालय में खुशी की लहर दौड़ पड़ी और छात्राओं के विद्यालय पहुंचने पर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यकारी खंड शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्य आनंद शर्मा ने बताया कि विद्यालय का हर शिक्षक बच्चों के प्रति ईमानदारी से कार्य करते हुए हर प्रतियोगिता की तैयारी करवाता है जिससे छात्राओं में भी उत्साहवर्धन होता है। उसी का नतीजा है कि विद्यालय की चार छात्राओं ने जिला स्तर पर बाजी मारने का कार्य किया है।

गांव राजगढ़ में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित

भिवानी। श्री नागा बाबा जन कल्याण समिति द्वारा गांव राजगढ़ के स्टेडियम में कबड्डी, दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, वृद्ध दौड़ व रस्सा कसी आदि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में गांव के बुजुर्गों, युवाओं व महिलाओं ने बढ़चढ़ कर भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं का शुभारंभ रामानंद यादव ने झंडा फहराकर किया। आचार्य विक्रम आर्य ने बताया कि गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में हर वर्ष समिति द्वारा इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से ग्रामीण आंचल के बच्चों में छुपी हुई खेल प्रतिभा उभर कर सामने आती है। उन्होंने बताया कि समिति जनसेवा के उद्देश्यों को लेकर 11 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, शिक्षा जागरूकता, नशे के खिलाफ जागरूकता जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती है। सरपंच नरेन्द्र यादव ने समिति द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों की सराहना की तथा प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन में राकेश, संदीप, मा. विक्रम आर्य, रिंकू, प्रवीन व समस्त ग्रामीणों का विशेष योगदान रहा।

तोशाम में दूसरी क्रिकेट प्रतियोगिता 1 फरवरी से

तोशाम। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के जन्म उत्सव पर शहीद भगत सिंह युवा क्लब तोशाम द्वारा 1 फरवरी रविवार से तोशाम के चौधरी सुरेंद्र सिंह खेल परिसर में दूसरी विशाल क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस दौरान भिवानी के पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार बतौर मुख्य वक्ता पहुंचेंगे तो प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रसिद्ध समाजसेवी राजेश भगासरा बतौर मुख्य व विशिष्ट अतिथि प्रमुख समाजसेवी महेश अत्री होंगे।

जलघर के सूखे टैंक में गिरा लावारिस सांड

- गेरक्षा दल ने एक घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सुरक्षित निकाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। जलघर से सांड को निकालते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

महम रोड स्थित जलघर में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक लावारिस सांड वहां बने एक गहरे सूखे टैंक में जा गिरा। गनीमत यह रही कि टैंक खाली था, लेकिन गहराई अधिक होने के कारण सांड खुद बाहर निकलने में असमर्थ था। इस सफल रेस्क्यू ऑपरेशन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि टीम वर्क और सेवा भाव से किसी भी मुश्किल परिस्थिति पर काबू पाया जा सकता है। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन सांड को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए आवश्यक संसाधनों और क्रेन जैसी व्यवस्था की कमी के चलते उन्होंने गौरक्षा दल भिवानी से संपर्क किया। फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने दल को सूचित किया कि उनके पास सांड को इतने गहरे टैंक से बाहर निकालने के लिए पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं हैं। सूचना मिलते ही गौरक्षा दल भिवानी के प्रधान संजय परमार अपने साथियों के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। स्थिति का जायजा लेने के बाद संजय परमार ने तुरंत एक जेसीबी मशीन का प्रबंध किया। करीबन एक घंटे तक चले इस चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू ऑपरेशन में सांड को रस्सियों और बेल्ट की मदद और जेसीबी से उसे बाहर निकाला।

पशुओं की सेवा ही संकल्प

सफलतापूर्वक रेस्क्यू के बाद गौरक्षा दल के प्रधान संजय परमार ने कहा कि हमें जैसे ही सूचना मिली कि महम रोड जलघर के टैंक में एक नंदी (सांड) गिर गया है, वे बिना समय गंवाए मौके पर पहुंचे। सांड काफी घबराया हुआ था और टैंक की गहराई ज्यादा थी। प्रशासन के पास संसाधनों की कमी थी, लेकिन हमारे दल का संकल्प बेजुबानों की सेवा करना है।

छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

- एनएसएस शिविर में छात्राओं को सेवा योजनाओं से कराया अवगत

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोहारू

लोहारू। पर्यावरण संरक्षण को लेकर नाटक प्रस्तुति करते हुए कॉलेज छात्राएं।

सावित्री बाई राजकीय महिला महाविद्यालय में चल रहे एनएसएस शिविर के दौरान बुधवार को एनएसएस की छात्राओं ने योगाभ्यास और पीटी में हिस्सा लिया वहीं शिविर की शुरुआत वंदे मातरम गीत के साथ की गई। छात्राओं ने जन जागरूकता रैली के तहत शहर के शहीद भगत ङ्घषसह चौक पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। एनएसएस प्रभारी डॉ निशा कुमारी के संयोजन में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के दौरान छात्राओं को सेवा योजनाओं से अवगत कराया जाता है। उन्होंने बताया कि बुधवार को पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा छात्राओं ने भगत ङ्घषसह चौक पर नाटक के माध्मम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दिन छात्राओं को स्थानीय उपमंडल नागरिक अस्पताल में हेल्थ इंस्पेक्टर सुरेन्द्र ने एचआईवी एड्स तथा काउन्सलर हरिओम शर्मा द्वारा न्यूट्रिशन विषय पर छात्राओं को जानकारी प्रदान की गई।

शिविर में 35 यूनिट रक्त एकत्रित किया और 200 से अधिक ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच की

भिवानी। सम्मान एक प्रयास समिति ने गांव धनाना में समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर राजेश लांग्यान के नेतृत्व में समाजसेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया। कार्यक्रम में गांव धनाना से आयु में वरिष्ठ महिला-पुरुष, सर्वोच्च शिक्षा प्राप्त बेटी-बेटी, वीर नारी एवं खेल प्रतिभाशाली खिलाडियों का सम्मान किया। इस दौरान 35 यूनिट रक्तदान हुआ तथा 200 से अधिक महिला, पुरुष एवं बच्चों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई। समिति अध्यक्ष लांग्यान ने बताया कि शिविर में रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सर्वजातीय जादु खाप-84 के प्रधान कैप्टन भीमसिंह ने रिबन काटकर किया तथा मंच संचालन स्वास्थ्य निरीक्षक राजेश कुमार ने किया। कैप्टन भीमसिंह ने कहा कि महापुरुषों की जयंती हमें केवल स्मरण के लिए नहीं, बल्कि समाजहित की दिशा में कदम बढ़ाने की प्रेरणा देती है।

भिवानी। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देते शतकवीर रक्तदाता राजेश डूडेजा।

आधी रात को फरिश्ता बनकर अस्पताल पहुंचे रक्तदाता

भिवानी। जेबी गुप्ता अस्पताल में भर्ती मरीज, जो गंभीर वायरल बुखार से पीड़ित था। मरीज की प्लेटलेट्स अचानक गिरकर खतरनाक स्तर पर पहुंच गईं। शहर में कहीं भी आरडीपी प्लेटलेट्स उपलब्ध नहीं होने के कारण परिवार बेहद हताश था, लेकिन सही समय पर मिली मदद ने एक जीवन बचा लिया। मरीज के परिजनों ने प्लेटलेट्स की तलाश में शहर के कई ब्लड बैंक खंगाले, लेकिन सफलता नहीं मिली। उन्होंने शहर के रक्तदाता और समाजसेवी राजेश डुडेजा से संपर्क किया। डुडेजा ने बिना देरी किए अपनी टीम के युवा साथियों को आवाज दी। रात के सन्नाटे में जैसे ही संदेश पहुंचा, एक-एक करके रक्तदाता निजी अस्पताल मे पहुंचने शुरू हो गए। मरीज की जान बचाने के लिए एक साथ सात रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस निःस्वार्थ सेवा कार्य में डॉ. अरविन्द आनंद प्रकाश, आनंद सोनी, रोबिन, राहुल, सुरेश, हरदीप व राजेश डुडेजा ने रक्तदान किया। इन युवाओं के त्वरित सहयोग से मरीज को समय पर प्लेटलेट्स मिल सकीं और उसकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है।

तीन वर्गों में स्लोगन लेखन प्रतियोगिता सातवीं कक्षा की यशिका ने पाया प्रथम स्थान

- विद्यार्थियों को यातायात संकेतों के पालन पर किया जागरुक

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

रोड ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी, चरखी दादरी के तत्त्वावधान में ट्रैफिक रूल्स एंड रोड सेफ्टी फेडरेशन के स्टेट प्रेसिडेंट डॉ. प्रवीन गर्ग द्वारा सक्षम स्कूल, चरखी दादरी में सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूकता पैदा करना रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्राचार्या निशा श्योराण ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सड़क पर चलते समय सावधानी बरतने, हेलमेट व सीट बेल्ट के प्रयोग तथा यातायात संकेतों के पालन की आवश्यकता पर जोर दिया। विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा विषय पर रचनात्मक एवं संदेशपूर्ण स्लोगन प्रस्तुत कर सभी को प्रभावित किया। प्रतियोगिता तीन श्रेणियों में आयोजित की गई। कक्षा 3 से 4 वर्ग में हर्षिता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि रेहान एवं जीनिशा ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा दीक्षा ने तृतीय स्थान हासिल किया। कक्षा 5 से 6 वर्ग में वंशु ने प्रथम, भूमि ने द्वितीय तथा उर्वी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 7 वर्ग में यशिका प्रथम स्थान पर रहीं, जबकि जाग्रव एवं महक ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं हर्षित, दीक्षा एवं यशराज ने तृतीय स्थान हासिल किया।

चरखी दादरी। प्रतिभागी को सम्मानित करते हुए।

12 को हड़ताल में शामिल होंगे मजदूर व किसान

भिवानी। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, कर्मचारी संगठनों के आह्वान पर 12 फरवरी की देशव्यापी हड़ताल होगी, जिसको सफल बनाने के लिए सीटू कार्यालय में सीटू नेता सुखदेव पालुवास की अध्यक्षता में ब्लॉक स्तरीय कन्वेंशन हुई। बैठक में लेबर कोड रद्द करने, न्यूनतम वेतन 30000 रुपये लागू करने, आंगनबाड़ी, आशा, मिड डे मील, वन मजदूरों, ग्रामीण चौकीदार व सफाई कर्मियों समेत सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, एमएसपी लागू करने, बिजली बिल, बीज विधेयक, वीबी जीरामजी को रद्द करने,सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण पर रोक लगाने आदि मांगे उठाई। नेहरू पार्क में देशव्यापी हड़ताल कर हजारों मजदूर, किसान व कर्मचारी प्रदर्शन करेंगे।

कार्यक्रम में डीसी ने अधिकारियों के साथ ग्रामीणों से किया संवाद

रात्रि ठहराव व जनसंवाद कार्यक्रम में उपायुक्त ने सुनीं जनसमस्याएं

विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाकार सरकारी योजनाओं का किया प्रचार प्रसार

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

चरखी दादरी। रात्रि ठहराव में ग्रामीणों की समस्या सुनते उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल। *फोटो : हरिभूमि*

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल की अध्यक्षता में जिला प्रशासन द्वारा जिला के मौड़ी गांव में मंगलवार को रात्रि ठहराव जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपायुक्त ने पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा व एसडीएम योगेश सैनी सहित विभागीय अधिकारियों के साथ ग्रामीणों के बीच में पहुंचकर लोगों से सीधा संवाद किया और जनसमस्याओं को सुनते हुए मौके पर ही लोगों को राहत पहुंचाई। उन्होंने गांव के विकास से जुड़े ग्रामीणों के सुझावों को भी सुना। आयोजन स्थल पर विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाकार सरकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार किया।
उपायुक्त डॉ. नागपाल ने लोगों की शिकायतें सुनते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा शुरू किए समाधान शिविर व रात्रि ठहराव कार्यक्रम का सभी वर्ग के लोगों को लाभ मिल रहा है। जिला प्रशासन के अधिकारी लोगों के घर द्वार पर जाकर उनकी समस्याएं सुनकर समाधान सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन जनता के बीच सीधा पहुंचकर उनकी समस्याओं का मौके पर ही निवारण कर रहा है। इसी उद्देश्य से रात्रि ठहराव कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

आपसी भाईचारे से समस्या का निवारण संभव

उन्होंने कहा कि कई समस्याओं का निवारण स्थानीय स्तर पर आपसी भाईचारे से भी संभव होता है। ऐसे में ग्रामीण एकजुटता के साथ ग्रामीण विकास में सहभागी बनते हुए ऐसी समस्याओं का स्वयं निपटान करवाकर भाईचारे की मिसाल कायम करें। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जन शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। कार्यक्रम में गांव के अलावा आसपास के गांवों से आए ग्रामीणों ने सड़क , अवैध कब्जा, व्यायामशाला, रोडवेज बस के फेरे ज्यादा करने और बिजली आदि से संबंधित मामले रखे जिसकी सुनवाई की गई। उपायुक्त ने मौके पर आई शिकायतों का संबंधित अधिकारियों को निर्देश देकर कई समस्याओं का तुरंत समाधान कराया। इससे ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति विश्वास और गहरा हुआ। ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्तुत मांग पत्र पर भी उपायुक्त ने त्वरित संज्ञान लेते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008